NBT PAGE 4

मालिनी के सुर और सलीम के नाटक से सजेगा समारोह

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम का आगाज लोक गायिका मालिनी अवस्थी के सुरों से होगा। कथक गुरु प्रफेसर कुमकुम धर प्रस्तुति देंगी और हिंदी व संस्कृत ड्रामा भी होगा। संस्कृत नाटिका रामायण पर आधारित होगी। हिंदी ड्रामा डायरेक्टर सलीम आरिफ द्वारा निर्देशित होगा। इसे रूपांतरित गुलजार साहब करेंगे।

19 से 25 नवंबर तक आयोजित होगा एलयू का शताब्दी वर्ष समारोह

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष 19 से लेकर 25 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। समारोह में कलाकार अनुपम खेर स्टूडेंट्स व विश्वविद्यालय परिवार से वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे।

स्पोर्ट्स फेस्टिवल : इसमें प्रत्येक दिन अलग-अलग तरह के स्पोर्ट्स का आयोजन किया जाएगा।

हेरिटेज वॉक : हेरिटेज वॉक के तहत विश्वविद्यालय की प्राचीन इमारतों व उनके इतिहास के बारे में जानकारी दी जाएगी।

आर्ट फेस्टिवल : आर्ट फेस्टिवल में 100 से 150 पोस्टर्स विश्वविद्यालय में लगाए जाएंगे। साथ ही विश्वविद्यालय के इतिहास के बारे में भी दर्शाया जाएगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : संरक्षित होगा ऐतिहासिक कला प्रांगण

स्थापित होगा ओपन एयर थियेटर, सौ साल से भी ज्यादा पुराना है कला प्रांगण, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति तक दे चुके हैं भाषण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक कला प्रांगण संस्कृति विभाग से संरक्षित हो सकता है। सौ साल से ज्यादा पुराने इस स्थल पर देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से लेकर कई महापुरुषों के भाषण हो चुके हैं। अपनी स्थापना के सौवें साल में इसको संरक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय ने संस्कृति विभाग को प्रस्ताव भेजा है। इसके साथ ही यहां ओपन एयर थियेटर भी बनेगा।

लविवि इस साल अपनी स्थापना का सौवां साल मना रहा है, लेकिन इसका कला प्रांगण 100 से भी ज्यादा साल पुराना है। कला प्रांगण ही कैनिंग कॉलेज हुआ करता था जिसे 25 नवंबर 1920 को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था। जुलाई 1921 में यहां नए सत्र की शुरुआत हो गई। इस साल लविवि अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य भवन सौ साल से भी ज्यादा पुराना है।

लखनऊ विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक कला प्रांगण।

इसको संरक्षित करने के लिए लविवि ने प्रस्ताव तैयार किया है। शैक्षणिक दृष्टि के साथ ही सांस्कृतिक रूप से भी विवि का कला प्रांगण ऐतिहासिक है। रखरखाव और संसाधन की कमी की वजह से इसका मूल स्वरूप धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए लविवि ने संस्कृति विभाग को प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव में प्रांगण को संरक्षित करने की मांग की गई है। इसके इसके साथ ही इस प्रांगण में स्थायी रूप से एक ओपन एयर थियेटर बनाने की भी तैयारी है। लविवि में प्रो. निशि पांडेय की देखरेख में इसका प्रस्ताव भी संस्कृति विभाग को भेजा गया है। इस प्रस्ताव में ओपन एयर थियेटर को सभी सुविधाओं से लैस करना भी शामिल है। लविवि के शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आना है। माना जा रहा है कि उसी समारोह में इसे संरक्षित करने की घोषणा भी होगी।

“ दिया गया है प्रस्ताव

लखनऊ विश्वविद्यालय का कला प्रांगण ऐतिहासिकता को समेटे हुए है। इसे संरक्षित करने के लिए संस्कृति विभाग को प्रस्ताव दिया गया है। उम्मीद है कि इसे संरक्षित किया जाएगा। ताकि आने वाली पीढ़ी भी इसका दीदार कर सके।

-प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

लाल बारादरी की सूरत बदलने का प्रयास

कला प्रांगण के साथ ही लविवि परिसर के मध्य में स्थित लाल बारादरी की सूरत बदलने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। यह बरादरी 150 वर्ष से भी अधिक पुरानी है। नवाबों ने इसका निर्माण कराया था। लखौरी ईंटों से बने इस भवन में 12 द्वार हैं और लखनवी स्थापत्य की सारी खूबियों से यह लैस है। जर्जर होने की वजह से इस भवन को अब पूरी तरह से बन्द कर दिया गया है। अब इसे दोबारा मूल रूप में लाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि एक बार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने लाल बारादरी एवं मछली द्वार का निरीक्षण किया था। एएसआई ने उम्मीद जताई थी कि भवन को अभी भी संरक्षित किया जा सकता है। इसके बाद मामला फिर से शांत हो गया। शताब्दी साल में अब एक बार फिर से उम्मीद बंधी है।

JAGRAN CITY PAGE III

इंजीनियरिंग की 92 % सीटें भरीं

यूपीएसईई-2020 की पहले चरण की काउंसिलिंग में लविवि का इंजीनियरिंग संकाय डिमांड में

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई-2020) की पहले चरण की काउंसिलिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय का इंजीनियरिंग संकाय परीक्षार्थियों की डिमांड में रहा। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहाकि संकाय की 92 फीसद सीट का अलॉटमेंट हो गया। प्रथम चरण की काउंसिलिंग में ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की 132 में 125 सीटों का, सिविल इंजीनियरिंग की 66 में 57 सीटों का, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की 66 में 61 सीटों का, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटों का, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटों का और एमसीए की 33 में 31 सीटों का अलॉटमेंट हो गया।

दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित इंजीनियरिंग की विभिन्न पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यूपीएसईई से ही सीटें भरी जानी हैं। उधर, यूपीएसईई के पहले चरण में ही लविवि के लिए सार्थक परिणाम देखने को मिले।

पसंद आ रही एनिमेटेड क्लासः लखनऊ विश्वविद्यालय के फिजिक्स विभाग के छात्रों द्वारा एनिमेटेड क्लास को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को वेव मोशन, नेचर ऑफ वेव, मैक्रोनिक्स, इलेक्ट्रो मैक्रोनिक्स जैसे विषयों को एनिमेशन के जरिए पढ़ाया जा रहा हैं। फिजिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि शिक्षक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से लेक्चर के दौरान एनिमेशन का प्रयोग करते हैं। इस कारण पढ़ाई के दौरान विद्यार्थियों को फीलगुड महसूस होता है। यही कारण है कि विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति अधिक दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

यूपीएसईई से भरीं लविवि की 92 फीसदी सीटें

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय ने यूपीएसईई-2020 की प्रथम काउंसिलिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। एक तरफ जहां प्रदेश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों का बुरा हाल है, वहीं लविवि के इंजीनियरिंग संकाय की 92 प्रतिशत सीटों का अलॉटमेंट पहले चरण में ही हो गया है। लविवि के एमबीए, एमसीए और एमटेक के दाखिले राज्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश ने बताया कि यूपीएसईई-2020 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने लविवि के इंजीनियरिंग संकाय को अपनी प्राथमिकता पर रखा है। प्रथम काउंसिलिंग में ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की 132 सीटों में 125, सिविल इंजीनियरिंग की 66 में 57 सीटें, इलेक्ट्रिकल की 66 में 61 सीटें, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन की 66 में 60 सीटें, मेकेनिकल की 66 में 60 सीटें और एमसीए की 33 में 31 सीटें आवंटित हो गईं। उम्मीद है कि जल्द ही बाकी सीटें भी भर जाएंगी। लविवि के एमबीए, एमसीए और एमटेक के दाखिले यूपीएसईई के माध्यम से हो रहे हैं।

एलयू की टीम जेनार्क ने बाजी मारी

लखनऊ। आईआईटी पटना के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में लविवि के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की टीम 'जेनार्क' ने बाजी मारी। आयुष, माज, प्रतीक और साक्ष्या की टीम ने दूसरा स्थान पाया है। 'फाइंडिंग बेटरमेंट ऑफ रूरल सोसायटी' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में टीम ने सामाजिक क्षेत्र में कृषि के उत्थान पर सुझाव रखे।

लविवि की टीम ने जीती प्रतियोगिता

लखनऊ। आईआईटी पटना के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'फाइंडिंग बेटरमेंट ऑफ रूरल सोसायटी' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता लविवि की टीम ने अपने नाम की है। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की टीम-'जेनार्क' (आयुष यादव, माज हुसैन, प्रतीक सक्सेना और साक्ष्या यादव) ने इसमें भाग लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू : इंजीनियरिंग की 92 % सीटों का आवंटन

यूपीएसईई -2020 की प्रथम काउंसलिंग में लविवि के इंजीनियरिंग संकाय की 92 प्रतिशत सीटों का आवंटन हो गया। प्रथम काउंसलिंग में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की 132 में 125 सीट, सिविल इंजीनियरिंग की 66 में 57 सीट, इलेक्ट्रिकल की 66 में 61 सीट, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन की 66 में 60 सीट, मैकेनिकल की 66 में 60 सीट और एमसीए की 33 में 31 सीटों का आवंटन हो गया है।

TOI PAGE 3

83 yrs on, DJ Narain to pay tribute to dad at LU

Sr Narain Had Challenged British Might

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: It was in 1937 that a young man, Jai Narain Srivastava, challenged the might of the British by putting up the Tricolour at the historical arts quadrangle of Lucknow University.

Eighty-three years on, his son, singer Dharmendra Jai Narain popularly known as DJ Narain, will once again hold the national flag on the campus and sing patriotic songs as a tribute to all bravehearts and freedom-fighters whom LU has nurtured in its century-old journey.

DJ Narain, famous singer of 'Aryans' band and former director of the Film and Television Institute of India (FTII), will perform at LU's centenary celebrations to be held from November 18-25.

Narain, an LU alumnus, will begin his performance with the song, '*Rok sakey na mujhko koi, main to naya savera hoon, saat samundar paar se main chala mitane andhera hoon, main Raju hu main Raja hoon main Akbar hoon Azaad hoon... Haan main Hindustan hoon*'.

"Life has come full circle for me. Restarting from where I began my journey – Lucknow Vishwavidyalaya. I give credit to LU for infusing music in my blood. In 1987, when I was a LU student, our band 'Dreams' became famous as the Beatles of LU," said the civil servant-turned-singer.

Musician Dharmendra Jai Narain and (right) his father Jai Narain Srivastava, who was an LU student in 1937

"It's an emotional moment for me as I will perform at the very place where my father late Jai Narain Srivastava had unfurled the Tricolour," he said.

He said the entire nation might have celebrated Independence Day on August 15, 1947, but the 'Tiranga' fluttered on LU campus a decade earlier.

"It was 1937 and the dream of a free India was getting bigger. My father, an undergraduate who later became student union president, decided to rewrite the history of student politics at LU. He didn't care about his safety or career. With the tricolour tucked under his arms, he ran towards the arts quadrangle and put up the flag using a bamboo ladder," he said.

"The incident took place on the day when Governor-General HG Haig was to visit the university to attend a function. As heavy security was in place on the campus, my father hid the flag near the arts quadrangle a day before. Moments before the British officer had to arrive, he swiftly removed the British flag and let the Tiranga flutter atop the building. Haig's shock was anybody's guess, but the student was too quick to be caught that day," he said.

"On the launch of Quit India Movement on August 9, 1942, he sustained lathi blows while leading a freedom rally. He was later arrested and released from jail in 1944," he said.

On India's 25th Independence Day in 1972, he was conferred 'Tamra Patra' by then Prime Minister Indira Gandhi. "The UP government has dedicated two pages to Srivastava in Uttar Pradesh Swatantrata Senani compilation. Like him, there are several heroes and bravehearts for whom I will perform during the centenary year celebration," he added.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर आया लविवि

लखनऊ। आईआईटी पटना के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से फाइंडिंग बेटरमेंट ऑफ रूरल सोसायटी विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस बिल्ड ओ'इनोवेट प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के टीम-'जेनार्क' में आयुष यादव, माज हुसैन, प्रतीक सक्सेना और साक्ष्या यादव ने भाग लिया। तीन हजार रुपये के नकद पुरस्कार के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। टीम-'जेनार्क' ने सामाजिक क्षेत्र मे कृषि क्षेत्र के उत्थान पर समाधान दिये, जिसमें ग्रामीण आजीविका की खेती, गैर-खेती और शिक्षा का हिस्सा शामिल था।

PIONEER PAGE 4

विश्वविद्यालयों में समान पाठ्यक्रम लागू करने के लिए कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सूबे के सभी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्सेज में न्यूनतम एक समान पाठ्यक्रम नए शैक्षिक सत्र 2021-22 से लागू किया जाएगा। इसके लिए चार कुलपतियों की एक हाईपावर कमेटी का गठन किया गया है। साथ ही प्रत्येक संकाय के लिए पांच सदस्यीय सुपरवाइजरी कमेटी अलग से गठित की गई हैं।

नई शिक्षा नीति के अनुसार बदलाव करते हुए न्यूनतम एक समान पाठ्यक्रम लागू हो इसके लिए कमेटियों में आपसी सामंजस्य और मानीटरिंग के लिए अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। बता दें कि प्रदेश भर में विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों में अभी अलग अलग पाठ्यक्रम यूजी व पीजी में पढ़ाया जाता है। लेकिन नई शिक्षा नीति के तहत अब एक समान कोर्स होगा। इसके लिए जिन चार कुलपतियों की कमेटी इसे तय करेगी उसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति प्रो. जेवी वैशंपायन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति प्रो. एनके तनेजा और सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. सुरेंद्र दुबे शामिल हैं। गठित समिति इस बात पर अपनी रिपोर्ट देगी कि विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम में कितना हिस्सा एक समान रखा जाए और कितना हिस्सा वह अपनी जरूरत के अनुसार पढ़ा सकते हैं। यही नहीं कोर्स एक समान होने से विद्यार्थियों को एक शहर से दूसरे शहर जाने पर दूसरे विश्वविद्यालय में ट्रांसफर होने पर कठिनाई नहीं होगी। जबकि नई शिक्षा नीति के अनुसार बदलाव कर न्यूनतम एक समान पाठ्यक्रम तैयार करने में मदद व समय से उसे तैयार कराने के लिए बनीं चार सदस्यीय राज्य स्तरीय कमेटी में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग के अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. पूनम टंडन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. हरे कृष्ण और नोएडा के मायावती राजकीय पीजी कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डा. दिनेश चंद्र शर्मा को शामिल किया गया है।

एलयू की 92 फीसदी सीटों पर दाखिले

यूपीएसईई की प्रथम काउंसलिंग में ही लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की 92 प्रतिशत सीटो का अलॉटमेंट हो गया है। काउंसलिंग के दौरान यूपीएसईई-2020 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की अभिरुचि लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय मे प्राथमिकता पर रही। प्रथम काउंसलिंग में ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की 132 में 125 सीटें, सिविल इंजीनियरिंग की 66 में 57 सीटें, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की 66 में 61 सीटें, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटें, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटें और एमसीए की 33 में 31 सीटों का अलॉटमेंट हो गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

यूपीएसईई के माध्यम से लविवि में होगा एडमिशन

लखनऊ। यूपीएसईई – 2020 की प्रथम काउंसलिंग में ही लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की 92 प्रतिशत सीटो का अलॉटमेंट हो गया।

यूपीएसईई-2020 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की अभिरुचि लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय मे प्राथमिकता पर रही। प्रथम काउंसलिंग में ही कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की 132 में 125 सीटों का, सिविल इंजीनियरिंग की 66 में 57 सीटों का, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की 66 में 61 सीटों का, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटों का, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 66 में 60 सीटों का और एम.सी.ए की 33 में 31 सीटों का अलॉटमेंट हो गया है।